IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समवयस्क दबाव, लिंग एवं परिवेश

का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

डॉ. (श्रीमती) अनिता श्रीवास्तव * एवं श्रीमती सारिका शर्मा **

*सहायक प्राध्यापक कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई (छ.ग.)

**उच्च वर्ग शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला संतोषीपारा केम्प 2 भिलाई (छ.ग.)

In the present research study, the effect of peer pressure, gender and area of higher secondary level students on their academic achievement is studied. For the study, 600 students of 11th class studying at government higher secondary level of Durg district were selected. Students from rural and urban area were selected on the basis of random method. For the measurement of peer pressure of students, the peer pressure scale developed by Amandeep Kaur (2020) was used. It is found that there is no significant effect of gender,area and peer pressure on academic achievement of higher secondary school students.

बीज शब्द – शैक्षिक उपलब्धि ,समवयस्क दबाव

भूमिका

शिक्षा एक सामाजिक प्रक्रिया है। समाज द्वारा अपने कुछ उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु शिक्षा की व्यवस्था एवं संगठन किया जाता है। देश की उन्नति व विकास विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर निर्भर करती है। यही कारण है कि हर देश विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ावा देती है।व्यक्ति को सभ्य और सुसंस्कृत बनाने में शिक्षा का विशेष योगदान होता है। व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। जीवन की चुनौतियों का सामना करने में और उसकी सफलता में शिक्षा का विशेष योगदान होता है। विद्यार्थी की व्यक्तिगत विकास के प्रत्येक अवस्था में शैक्षिक उपलब्धि का महत्व है,विशेषकर किशोरावस्था में अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। क्योंकि इसी अवस्था में जीवन के उचित निर्णय का निर्धारण निश्चित माना जाता है विद्यार्थी के जीवन में पालक के साथ उसके समवयस्क समूह का भी विशेष प्रभाव पड़ता है। कुछ विद्यार्थियों में समवयस्क दबाव का सकारात्मक एवं कुछ में नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

समवयस्क दबाव का अर्थ है समान आयु वाले साथियों का प्रभाव। समवयस्क दबाव से तात्पर्य अपने समवयस्क साथियों द्वारा डाले गए सामाजिक दबाव से है कि व्यक्ति को क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। रयान (2000) ने समवयस्क दबाव को स्पष्ट करते हुए बताया कि जब आपके समवयस्क आपको कुछ कार्य करने के लिए आग्रह या प्रोत्साहित करते है या फिर आपको किसी कार्य को करने से रोकते है। तो कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उस कार्य को करने में आप की व्यक्तिगत रुचि है या नहीं।कैंब्रिज एडवांस्डलर्नर्स डिक्शनरी एंड

थिसॉरस (2016) ने समवयस्क दबाव के प्रभाव के विषय में बताया कि आपके स्वयं का व्यवहार या सामाजिक वर्ग के अन्य लोगों का व्यवहार का तरीका होता है। जिसका मजबूत प्रभाव एक–दूसरे पर हावी होता है और उनके अनुसार कार्य करने का दबाव महसूस होता है।इस प्रकार समवयस्क दबाव का अर्थ है कि एक समूह का मजबूत प्रभाव (विशेष रूप से बच्चों के) उस समूह के सदस्यों पर व्यवहार करना, जैसा कि बाकी सभी समूह के लोग करते है।वेंगिस, चेरी, डिविन एवं जिराल्ड (2019) ने विद्यालय में विद्यार्थी के समवयस्क दबाव एवं उनके शैक्षिक प्रदर्शन का अध्ययन किया।निष्कर्ष में पाया गया कि समवयस्क दबाव का सीधे विद्यार्थियों पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन को समवयस्क दबाव के कई कारक प्रभावित भी करते है। माता–पिता और सामाजिक समानता का विद्यार्थी के शैक्षिक प्रदर्शन पर सार्थक प्रभाव पाया गया। **अध्ययन की सार्थकता –** वर्तमान समयानुकूल बालक की शिक्षा में समवयस्क की भूमिका का शैक्षिक विकास की दृष्टि में अधिक महत्वपूर्ण होता है। सकारात्मक समवयस्क प्रभाव से स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना का विकास होता है,जो विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की उन्नति का कारण होता है। विद्यार्थियों की उपलब्धि में समवयस्क का विशेष स्थान होता है।अनुकूल वातावरण के प्रभाव से ही विद्यार्थी शैक्षिक उपलब्धि को उच्च रूप से प्राप्त करता है। इस उपलब्धि में समवयस्क दबाव के सकारात्मकता के कारण भी शिक्षा का महत्व और बढ़ जाता है।

उद्देश्य – उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समवयस्क दबाव, लिंग एवं परिवेश का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

समस्या कथन – उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समवयस्क दबाव, लिंग एवं परिवेश का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

परिकल्पना – उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समवयस्क दबाव, लिंग एवं परिवेश का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

अध्ययन की परिसीमा – यह शोध अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर किया गया है।

अध्ययन विधि – प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है

न्यादर्श – शोधकर्ता ने अपने शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में दुर्ग जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 11वीं कक्षा में अध्ययनरत 600 विद्यार्थियों का चयन किया है।चयनित न्यादर्श में 300 ग्रामीण परिवेश और 300 शहरी परिवेश के छात्र एवं छात्राओं को शामिल किया गया है

उपकरण – प्रस्तुत शोध अध्ययन में अमनदीप कौर (2020) द्वारा निर्मित समवयस्क दबाव मापनी का प्रयोग किया गया

सांख्यिकी विधियाँ – प्रस्तुत शोध में सांख्यिकी विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं द्विदिश प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया

विवेचना एवं व्याख्या –

H0 उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समवयस्क दबाव, लिंग एवं परिवेश का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समवयस्क दबाव, लिंग एवं परिवेश के प्रभाव का अध्ययन करना है।अतः सांख्यिकी विश्लेषण के लिए (2×2×2) त्रिदिश प्रसरण विश्लेषण की संगणना की गई है।जो निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

सारिणी कमांक 01

समवयस्क दबाव, लिंग एवं परिवेश का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव के लिए त्रिदिश प्रसरण विश्लेषण की गणना

विचरण के स्त्रोत	वर्गों का योग	स्वतंत्रता अंश	वर्गों का मध्यमान	एफ का मान	सार्थकता स्तर
परिवेश × लिंग	805.042	1	805.042	5.482	0.02
परिवेश × समवयस्क दबाव	0.042	1	0.042	0	0.987
लिंग ×समवयस्क दबाव	29.482	1	29.482	0.201	0.654
परिवेश ×लिंग×समवयस्क दबाव	42.135	1	42.135	0.287	0.592
समूह के अंतर्गत	86932.453	592			
योग	2593489	600	146.845		
संशोधित योग	88171.598	599			

विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश×समवयस्क दबाव की अंतःक्रिया के प्रभाव का गणना करने पर पाया कि शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश एवं समवयस्क दबाव का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग ×समवयस्क दबाव की अंतःक्रिया के प्रभाव का गणना करने पर निष्कर्ष निकलता है कि शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग एवं समवयस्क दबाव का प्रभाव नहीं पड़ता है।

विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश ×लिंग ×समवयस्क दबाव की अंतःक्रिया के प्रभाव का गणना करने पर स्पष्ट होता है कि शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश, लिंग एवं समवयस्क दबाव के अंतःक्रिया का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

निष्कर्ष

विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश का प्रभाव नहीं पड़ता है।ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश का प्रभाव समान होता है।विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग का प्रभाव नहीं पड़ता है। छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि में अंतर कम होने का कारण शिक्षा का समान रूप से प्राप्त होना पाया गया। विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर समवयस्क दबाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। उच्च समवयस्क दबाव के विद्यार्थियों एवं निम्न समवयस्क दबाव के विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि एक समान होता है। शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश एवं लिंग का सार्थक प्रभाव पड़ता है शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश एवं समवयस्क दबाव का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।शैक्षिक उपलब्धि पर लिंग एवं समवयस्क दबाव का प्रभाव नहीं पड़ता है।शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश, लिंग एवं समवयस्क दबाव के अंतःक्रिया का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

परिणाम एवं विवेचना

शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश एवं लिंग का सार्थक प्रभाव पड़ता है किन्तु शैक्षिक उपलब्धि पर परिवेश एवं समवयस्क दबाव, तथा लिंग, समवयस्क दबाव, और परिवेश, लिंग एवं समवयस्क दबाव का सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है। ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि का स्तर समान है इसका कारण यह हो सकता है कि विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता आयी है। विद्यालयों में शिक्षण हेतु नवीन योजनाओं, रोचक माध्यम एवं सरल शिक्षण विधियों का उपयोग किया जाता है।

संदर्भ सूची

- अख्तर, जेड एवं अजीज, एस (2011)विश्वविद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर समवयस्क दबाव एवं माता पिता के दबाव का प्रभाव. लैगवेज इन इंडिया, 11, 254-265.
- वेंगीस,एम.एम., चेरी,एल.,एन.बी.,डिविन,जी.एवं जिराल्ड,सी.एम. (2019). स्कूल में छात्र के समवयस्क दबाव एवं उनके शैक्षिक प्रदर्शन का अध्ययन, इन्टरनेशनल जर्नल आफ साइंटिफिक एंड रिसर्च पब्लिकेशन,19, 300-312.
- वर्मा, पी.एवं श्रीवास्तव, डी.एन. (1982).बालमनोविज्ञान–बाल विकास, विनोद पुस्तक मंदिर, द्वितीय संस्करण.485-513.
- Adeniyi, M., & Kolawole, V. (2015). The Influence of Peer Pressure on Adolescents Social Behaviour. *University of Mauritius Research Journal , 21*, 1-7.
- Behmani, R., Sakshi, Kumar, R., Nehra, D., & Kumar, N. (2014). Study of peer pressure and social maturity among the adolescents. *Indian Streams Research Journal , 4* (9)